

डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



फाल्गुन-चैत्र शक 1944 | मार्च 2022 | खण्ड 34 | अंक 3

ISSN: 0971-4405

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) ने गणतंत्र दिवस परेड-2022 में अपनी झांकियां प्रदर्शित की





प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ के नागेश्वर राव
सह मुख्य संपादक : सुमति शर्मा
संपादक : डॉ फूलदीप कुमार



हमारे संवाददाता

अहमदनगर
अंबरनाथ
चांदीपुर
बेंगलूरु

- : कर्नल अतुल आपटे, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वी आर डी ई)
- : डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल)
- : श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर); श्री रत्नाकर एस मोहपात्रा, प्रमाण तथा प्रायोगिकी केंद्र (पी एक्स ई)
- : श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (केब्स)

श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर)

सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक)

डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी)

डॉ. प्रसन्ना बक्शी, रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)

श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिकी तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई)

डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी)

चंडीगढ़
चेन्नई
देहरादून

- : डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल)
- : श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई)

: श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील)

श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई)

दिल्ली

- : श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिमा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)

डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)

डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर)

श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)

श्रीमती रविता देवी, पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा); सुश्री नुपूर श्रोतिय – वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी)

डॉ. रूपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल)

ग्वालियर
हल्द्वानी
हैदराबाद

- : डॉक्टर मनोरमा विमल, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई)

: डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)

: श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल)

श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल)

डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल)

श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई)

जगदलपुर

- : डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एस एफ सी)

जोधपुर

: श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डी एल)

कानपुर

: श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई)

कोट्टि

: श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल)

लेह

: डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान स्थान (डिहार)

मसूरी

: डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम)

मैसूर

: डॉ. एम पाल्मरुगण, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल)

पुणे

: डॉ. (श्रीमती) जे ए कनेटकर, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई)

डॉ. विजय पात्र, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी)

तेजपुर

श्री एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच एम आर एल)

: डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल)



घटनाक्रम	06
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	19
कार्मिक समाचार	20
निरीक्षण/ दौरा कार्यक्रम	22

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया निम्नलिखित पते पर संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) ने गणतंत्र दिवस परेड-2022 में अपनी झांकियां प्रदर्शित की

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) ने गणतंत्र दिवस परेड-2022 में अपनी दो झांकियां प्रदर्शित की; इनमें से पहली झांकी में 'हल्के युद्धक विमान एल सी ए तेजस के लिए स्वदेश में विकसित किए गए सेंसर, आयुध प्रणालियां एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियां' तथा दूसरी झांकी में 'भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों के लिए विकसित की गई वायु मुक्त प्रणोदन प्रणाली – एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (ए आई पी) सिस्टम' प्रदर्शित की गई थी।

पहली झांकी में चौथी पीढ़ी के हल्के युद्धक विमान (एल सी ए) – तेजस की क्षमताओं में और अधिक वृद्धि करने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला स्वदेश में विकसित उन्नत श्रेणी का इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किया गया 'उत्तम' नामक व्यूह रडार; हवा से प्रक्षेपित किए जा सकने योग्य पांच अलग-अलग आयुध तथा एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैमर प्रदर्शित किए गए थे। 'उत्तम' रडार एक अत्यधिक संहत तथा मॉड्यूलर



अत्याधुनिक सेंसर है जो पायलट को परिस्थितिजन्य जागरूकता प्रदान करता है।

हवा से प्रक्षेपित किए जा सकने योग्य पांच अलग-अलग आयुधों में हवा – से – हवा में मार करने वाली तथा दृश्य सीमा से भी आगे जाकर प्रहार करने की क्षमता से युक्त एवं

मौसम जनित सभी परिस्थितियों में कार्य करने में सक्षम सक्रिय रडार संकेत जारी कर सकने वाली मिसाइल 'ऐस्ट्रा'; दुश्मन के रडार और संचार प्रणालियों को नष्ट करने की क्षमता से युक्त नई पीढ़ी की एंटीरेडिएशन मिसाइल 'रुद्रम'; जमीनी लक्ष्यों और हवाई अड्डों को नष्ट करने की क्षमता

से युक्त स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन (एस ए ए डब्ल्यू); लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम निर्देशित ग्लाइड बम 'गौरव' तथा जमीनी लक्ष्यों पर अधिक दूरी तक सटीक प्रहार करने में सक्षम सामरिक आयुध शामिल हैं। इन आयुधों को रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) की हैदराबाद स्थित प्रयोगशालाओं द्वारा जटिल तकनीकों का उपयोग करके विकसित किया गया है।

तेजस में एक्विजिशन रडारों, फायर कंट्रोल रडारों, एंटी एयरक्राफ्ट आर्टिलरी तथा एयरबोर्न मल्टीरोल रडारों की नजर से बच निकलने को ध्यान में रखते हुए अभिकल्पित किया गया उन्नत आत्म-सुरक्षा जैमर लगाया गया है। हैदराबाद स्थित इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला द्वारा विकसित किए गए इस जैमर से लैस एल सी ए तेजस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सक्षम है।

एल सी ए तेजस में इन आयुधों, रडारों और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ई डब्ल्यू) प्रणालियों को समेकित करना इस युद्धक विमान को और अधिक स्वदेशी प्रणालियों से सुसज्जित करने तथा इसे मिशन के लिए तैयार रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दूसरी झांकी में भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों को पानी के भीतर चलाने के लिए स्वदेश विकसित वायु मुक्त प्रणोदन प्रणाली - एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (ए आई पी)



सिस्टम' का प्रदर्शन किया गया। ए आई पी प्रणाली स्वदेश विकसित ईंधन सेलों द्वारा चालित प्रणाली है जिसमें एक नए रूप में विकसित किया गया ऑनबोर्ड हाइड्रोजन जनरेटर लगाया गया है। यह दुनिया में सबसे उन्नत ए आई पी प्रणालियों में से एक है जिसमें ऑनबोर्ड बिजली उत्पन्न करने के लिए ईंधन सेल प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है।

वायु मुक्त प्रणोदन (ए आई पी) प्रणाली से युक्त पनडुब्बियां पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की तुलना में लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं तथा ऐसी पनडुब्बियां परमाणु पनडुब्बियों से भी अधिक शांत रहकर मिशन से संबंधित क्रियाकलापों को अपेक्षाकृत अधिक कुशलतापूर्वक अंजाम दे सकती हैं।

वर्तमान में, वायु मुक्त प्रणोदन (ए आई पी) प्रणाली को पी - 75 श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए अनुकूलित किया गया है। पनडुब्बी में वायु मुक्त प्रणोदन (ए आई पी) प्रणाली को फिट कर दिए जाने के पश्चात पनडुब्बी लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती है और इसे बार-बार ऊपर पानी की सतह पर आने की आवश्यकता नहीं होती। पनडुब्बी में वायु मुक्त प्रणोदन (ए आई पी) प्रणाली को प्रयोग में लाए जाने से पनडुब्बी के पानी की सतह के भीतर रहने की अवधि में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह विशिष्ट तकनीक विश्व के बहुत कम देशों के पास ही उपलब्ध है। डी आर डी ओ ने इस तकनीक को शिक्षा संस्थानों तथा उद्योग जगत के सहयोग से विकसित किया है।

आजादी का अमृत महोत्सव

बेंगलुरु में प्रदर्शनी का आयोजन

कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई ने राज्य सचिवालय विधान सौंध, बेंगलुरु में राज्य के माननीय प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री श्री बी. सी. नागेश; रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) के निदेशक डॉ अनिल दत्त सेमवाल तथा रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) के निदेशक डॉ टी एम कोटरेश, एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में 9 दिसंबर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री बोम्मई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सी डी एस जनरल बिपिन रावत को पुष्पांजलि अर्पित की। माननीय मुख्यमंत्री ने बताया कि जनरल रावत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने भारत के भीतर कई हथियारों और उपकरणों का स्वदेशी उत्पादन शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

माननीय मुख्यमंत्री ने रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) तथा रक्षा खाद्य



अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) दोनों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों की सराहना की तथा कर्नाटक में रक्षा उद्योगों के विकास के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के रूप में संभावित सहयोग के लिए अनुरोध किया।

राज्य सरकार के माननीय मंत्री श्री नागेश ने रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) से कर्नाटक के बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए प्रोटीन युक्त उत्पाद चॉकलेट बार, बिस्कुट आदि विकसित करने का अनुरोध किया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित किए जा रहे आजादी के

अमृत महोत्सव वर्ष में 9-10 दिसंबर 2021 के दौरान सशस्त्र बलों और नागरिकों के लिए जीवन सहायक, खाद्य तथा संभरण प्रौद्योगिकी विषय पर रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) तथा रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी।

इस प्रदर्शनी में रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) द्वारा ऑनबोर्ड ऑक्सीजन उत्पादन प्रणाली, मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट, संरक्षी उपकरण, पलाइंग क्लॉथिंग, पनडुब्बी से बाहर निकलने के लिए प्रयुक्त एस्केप सिस्टम, कार्मिकों द्वारा जल के भीतर सांस लेने के लिए प्रयुक्त उपकरण,

लाइट वेट ऑटोमेशन यूनिट के साथ वन मैन हैपो चैंबर मार्क-II, सशस्त्र बलों के लिए पोर्टेबल टेलीमेडिसिन सिस्टम, मोबाइल टेलीडायग्नोसिस सिस्टम, लिम्ब फंक्शन एन्हांसमेंट डिवाइस, इलेक्ट्रो कॉर्टिकोग्राफी इलेक्ट्रोड तथा रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) द्वारा एम आर ई राशन प्रौद्योगिकी, व्यक्तिगत जीवन रक्षा पैक राशन, सी बी आर एन परिदृश्य के लिए खाद्य उत्पाद तथा पैकेजिंग सिस्टम, मिलावट जांच किट, बायोडिग्रेडेबल कटलरी, डिग्रेडेबल फिल्मस, मॉड्यूलर साइलो, इंस्टेंट फूड मिक्स, खाए

जाने के लिए तैयार खाद्य उत्पाद, अंतरिक्ष मिशनों के लिए स्पेस फूड एवं सुपुर्दगी प्रणाली, फ्रिज में सुखाए गए खाद्य उत्पाद, तैयार पेय पदार्थ तथा परोसे जाने के लिए तैयार फंक्शनल जूस एवं पेय पदार्थ, दही बनाने की मशीन, सेल्फ-हीटिंग सिस्टम आदि प्रदर्शित किए गए। दोनों प्रयोगशालाओं के उत्पादों को बड़ी संख्या में सशस्त्र बलों में शामिल किया गया है और सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों द्वारा उनका अपने सैन्य अभियानों के दौरान नियमित रूप से उपयोग किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश

उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों को आम नागरिकों द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए आसानी से प्रस्तुत किया जा सकता है तथा समय-समय पर आवश्यकता के अनुसार इन्हें समाज कल्याण हेतु भी प्रस्तुत किया जाता रहा है।

कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव, श्री पी रवि कुमार, आई ए एस, विभिन्न विभागों के सचिव तथा अपर सचिव एवं सचिवालय के कर्मचारीगण इस प्रदर्शनी को देखने के लिए आए तथा अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों में गहरी रुचि दिखाई।

प्रणोदन के क्षेत्र में भारत द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धि विषय पर उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे में वेबिनार का आयोजन

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए 18 दिसंबर 2021 को "प्रणोदन के क्षेत्र में भारत द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धि" विषय पर आधे दिन का वेबिनार आयोजित किया गया। श्री पी के मेहता, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ए सी ई) ने श्री के पी एस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एच ई एम आर एल एवं डॉ डी चक्रवर्ती, निदेशक, प्रणोदन प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी ओ पी टी) की उपस्थिति में इस वेबिनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कच्चे माल से



संबंधित विनिर्दिष्टियों के मानकीकरण तथा कच्चे माल, मध्यवर्ती एवं अंतिम प्रणोदक उत्पाद के विश्लेषण के लिए परीक्षण प्रक्रिया विषय पर दो दस्तावेज जारी किए गए।

श्री मेहता तथा श्री मूर्ति ने भारत में रक्षा प्रौद्योगिकी के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभागिता

एवं सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। वेबिनार के दौरान, भारत में प्रणोदन प्रणालियों की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ अधुनातन प्रणोदन प्रौद्योगिकियों के संबंध में रुझान तथा उपलब्ध जानकारी विषय पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया गया। वेबिनार को काफी अधिक लोकप्रियता

प्राप्त हुई तथा इसमें ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में 1000 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया जिनमें रक्षा के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति, शोधकर्ता एवं महाविद्यालय के छात्र शामिल थे।

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई), चंडीगढ़ में अभिज्ञता कार्यक्रम का आयोजन



रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई) ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, बंगलुरु के छात्रों के लिए धुंडी (हिमाचल प्रदेश) स्थित उन्नत फील्ड रिसर्च स्टेशन पर भारतीय हिमालय क्षेत्र में डी जी आर ई द्वारा किए

जा रहे अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) क्रियाकलापों के संबंध में 15 दिसंबर 2021 को अभिज्ञता कार्यक्रम तथा फील्ड विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान ग्यारह इंजीनियरिंग छात्रों तथा उनके संकाय सदस्यों को रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई) द्वारा भारतीय हिमालय क्षेत्र में

मौसम संबंधी पूर्वानुमान, हिमस्खलन संबंधी पूर्वानुमान, हिमस्खलन नियंत्रण उपायों तथा हिम से संबंधित विभिन्न आधारभूत अनुसंधान के क्षेत्र में डी जी आर ई द्वारा किए जा रहे क्रियाकलापों से अवगत कराया गया तथा उन्हें धुंडी में हिम क्षेत्र पर ग्लेशियर पृष्ठ वेग मापन प्रयोगों को करने के लिए भी सुविधा प्रदान की गई।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर में प्रदर्शनी - सह - परस्पर संपर्क कार्यक्रम का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर ने आजादी का महोत्सव वर्ष के दौरान मनाए जा रहे आइकॉनिक सप्ताह समारोहों के एक हिस्से के रूप में 18 दिसंबर 2021 को कालियाबोर कॉलेज, कालियाबोर, असम में एक प्रदर्शनी - सह - परस्पर संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रदर्शनी को देखने के लिए आने वाले लोगों को डी आर डी ओ द्वारा विकसित किए गए नवीनतम अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए इस प्रदर्शनी में डी आर एल, तेजपुर द्वारा विकसित किए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। इस अवसर पर तकनीकी



अधिकारी डॉ बिपुल राभा ने डी आर डी ओ उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों पर एक व्याख्यान दिया। डॉ बी दास, तकनीकी अधिकारी द्वारा डी आर एल के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों पर चर्चा की गई तथा श्री विजय पाल, तकनीकी अधिकारी

द्वारा जैव शौचालय प्रौद्योगिकी विषय पर एक अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में कालियाबोर कॉलेज के पचास से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वक्ताओं के साथ बातचीत की।

डी आर डी ओ दिवस समारोह का आयोजन

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर), दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर) ने 3 जनवरी 2022 को डी आर डी ओ दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर निदेशक, डी आई पी आर ने समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित किया तथा वर्ष 2021 के दौरान स्थापना की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आपने वर्ष के दौरान

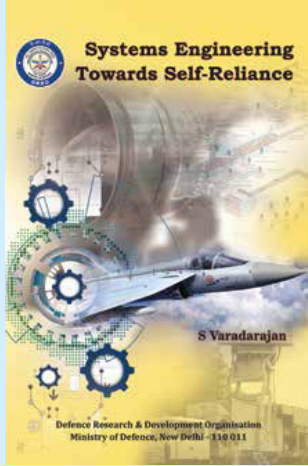
प्राप्त की गई उपलब्धियों के लिए सभी को धन्यवाद दिया और वर्ष 2022 के लिए भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई।

कार्मिक चयन रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर) को सौंपा गया सर्वाधिक महत्वपूर्ण अधिदेश है। लंबे वर्षों के व्यवस्थित और व्यापक अनुसंधान से प्राप्त

अपने अनुभव द्वारा डी आई पी आर ने सशस्त्र बलों के अधिकारियों के चयन की एक अनूठी और व्यापक प्रणाली विकसित की है। डी आई पी आर देश भर में सशस्त्र सेना के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु कार्य करने वाले सेवा चयन बोर्डों (एस एस बी) को संचालित करने वाले मनोवैज्ञानिकों एवं सैन्य अधिकारियों

विक्रय हेतु उपलब्ध डी आर डी ओ मोनोग्राफ

सिस्टम इंजीनियरिंग टुवर्ड्स सेल्फ-रिलायंस
श्री एस वरदराजन



पृष्ठों की संख्या : 428

आई एस बी एन : 978-81-86514-77-1

मूल्य : भारतीय रुपए में मूल्य ₹1700/-; अमेरिकी डॉलर में मूल्य \$45 यूनाइटेड किंगडम (यूके) पाउंड में मूल्य £40

मोनोग्राफ में सामान्य रूप से किसी भी जटिल प्रणाली और विशेष रूप से रक्षा प्रणाली के विकास के दौरान अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रणाली अभियांत्रिकी पद्धतियों का वर्णन किया गया है। इसमें सशस्त्र बलों के लिए सफलतापूर्वक विकसित की गई वास्तविक प्रणालियों का विशेष अध्ययन (केस स्टडीज) के माध्यम से उल्लेख किया गया है। इसमें किसी भी प्रणाली का संपूर्णता से समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए वर्णन किया गया है तथा साथ ही हितधारकों द्वारा सफलतापूर्वक प्रणाली अनुप्रयोग के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया गया है। यह मोनोग्राफ प्रयोक्ताओं तथा प्रणाली अधिग्रहण, विकास, निरीक्षण, निर्माण तथा फील्ड परिनियोजन एजेंसियों को विगत में प्राप्त हुए अनुभवों का लाभ उठाने एवं अत्यधिक मांग वाली परिस्थितियों में सफल होने में सक्षम बनाएगा। मोनोग्राफ सैन्य प्रणालियों के विकास और उत्पादन से संबंधित युवा पेशेवरों के लिए उपयोगी हो सकता है।

(<https://www.drdo.gov.in/monograph/systems-engineering-towards-self-reliance>)

के लिए मनोवैज्ञानिक तथा तकनीकी अधिकारी पाठ्यक्रमों के आयोजन से नियमित रूप से जुड़ा रहता है।

प्रयोगशाला ने अपनी नियम पुस्तिका (मैनुअल) का संशोधित संस्करण तैयार किया है। इस अवसर पर निदेशक, डी आई पी आर ने मैनुअल का विमोचन किया।

वर्तमान संस्करण 31 अध्यायों की एक बृहद पुस्तिका है जिसमें रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर) तथा सेवा चयन बोर्डों (एस एस बी) के वैज्ञानिकों के लेख शामिल किए गए हैं।



प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी ने 3 जनवरी 2022 को डी आर डी ओ दिवस – 2022 का आयोजन किया। समारोह का आरंभ रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी के संबोधन के वेब प्रसारण के साथ हुआ। अपने संबोधन में आपने डी आर डी ओ के सभी कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। आपने वैश्विक महामारी कोविड-19 की स्थिति के बावजूद वर्ष 2021 के दौरान डी आर डी ओ द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की सराहना की। इसके साथ ही आपने डी आर डी ओ द्वारा विकसित उत्पादों को सशस्त्र बलों को सौंपने, सफल प्रयोक्ता परीक्षणों तथा भविष्य के लिए निर्धारित की गई कार्य योजना के बारे में विस्तार से बताया।



इसके उपरांत श्री एस ए कट्टी, निदेशक आई टी एम ने आई टी एम समुदाय को संबोधित किया। आपने वर्ष 2021 के दौरान आई टी एम द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों जैसेकि नई प्रशिक्षण नीति का कार्यान्वयन, शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी), पुणे के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान (आई आई एम), विशाखापत्तनम के साथ समझौता

ज्ञापन पर हस्ताक्षर, आदि के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी की सराहना की। आपने भविष्य के लिए निर्धारित की गई कार्य योजना पर भी प्रकाश डाला तथा सभी कर्मचारियों से उपयोगी जीवन एवं उत्तरदायित्व तथा अनुशासन के प्रति समर्पण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। आपने सभी को बिना किसी हिचकिचाहट के विचारों को साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम ने 3 जनवरी 2022 को डी आर डी ओ दिवस-2022 मनाया। कार्यक्रम का आरंभ रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी के संबोधन की वेबकास्टिंग के साथ हुआ। अपने संबोधन में आपने

वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रसार के कठिन दौर में कड़ी मेहनत करने वाले डी आर डी ओ समुदाय को बधाई दी। आपने वर्ष 2021 के दौरान डी आर डी ओ द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों का वर्णन किया तथा आपके संबोधन का समापन इस आशा के साथ हुआ कि डी आर डी ओ के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारी वर्ष 2022 के दौरान

भी दक्ष एवं उन्नत प्रौद्योगिकी तथा अपनी किस्म की विशिष्ट प्रणालियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एन एस एंड एम) ने यह कहते हुए अध्यक्ष, डी आर डी ओ के संदेश को दोहराया कि संपूर्ण एन एस टी एल समुदाय को

औद्योगिक तथा शैक्षणिक संसाधनों का समुचित उपयोग करके निर्धारित समय सीमा के भीतर दक्ष एवं उन्नत प्रौद्योगिकी तथा अपनी तरह की पहली प्रणाली प्रदान करने की दिशा में कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आपने वैश्विक महामारी कोविड-19 की स्थिति के बावजूद निरंतर अपना काम करते रहने के लिए एन एस टी एल कर्मचारियों को बधाई दी। आपने एन एस टी एल को युद्धपोत प्रौद्योगिकी तथा हाइड्रोडायनामिक अनुसंधान के क्षेत्रों में अधिक उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करके विश्व में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित किया।

डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एन एस टी एल ने कहा कि संपूर्ण एन एस टी एल समुदाय के सामूहिक

सहयोग से ही डी आर डी ओ के अध्यक्ष द्वारा व्यक्त की गई अपेक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। आपने अपने संबोधन के दौरान अपनी इच्छा व्यक्त की कि एन एस टी एल को अधिदेशित कर्तव्यों का चार्टर अधिक वैज्ञानिक रूप से संरचित तरीके से निष्पादित किया जाए। आने वाले वर्ष में एन एस टी एल के विभिन्न निदेशालयों को सुदृढ़ किया जाएगा तथा मौजूदा परीक्षण सुविधाओं को उन्नत बनाया जाएगा। आपने टीकाकरण अभियान तथा विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापों के सफल संचालन के लिए एन एस टी एल सिविल कर्मचारी संघ की सराहना करते हुए अपने संबोधन का समापन किया।

डॉ कामत तथा डॉ राव ने एन एस टी एल की ई-पुस्तिका का विमोचन किया जिसमें एन एस टी एल द्वारा विकसित किए गए उत्पादों और एन एस टी एल में उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया है। डॉ कामत ने प्रयोगशाला विज्ञान परिषद का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, विज्ञान परिषद के तत्वावधान में दो व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गए जिनमें से पहला व्याख्यान श्री एम नागेश्वर राव, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'प्रॉपेलर्स फॉर मरीन एप्लिकेशन (समुद्री अनुप्रयोग हेतु प्रणोदक)' विषय पर तथा दूसरा व्याख्यान इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) द्वारा चलाए जा रहे अक्षय पात्र फाउंडेशन, विशाखापत्तनम के अध्यक्ष डॉ भक्तदास द्वारा 'कार्य-जीवन संतुलन-एक वैदिक दृष्टिकोण' विषय पर दिया गया।

समारोह का समापन भारतीय विज्ञान मंडली द्वारा आयोजित "कौशल-2021" की प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिता जीतने वाले रामनाथ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को गणमान्य व्यक्तियों के हाथों नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र के वितरण के साथ हुआ।

कार्यक्रम में नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एन एस टी एल सिविल कर्मचारी संघ एवं कार्य समिति के सदस्यों ने भाग लिया।



गणतंत्र दिवस समारोह - 2022

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बेंगलुरु

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बेंगलुरु में 26 जनवरी 2022 को बड़े ही धूमधाम से 73वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर डॉ पी राधाकृष्ण, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एल आर डी ई ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए तथा गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए किया गया था।



26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सभा को संबोधित करते हुए डॉ पी राधाकृष्ण, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एल आर डी ई।

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) में 26 जनवरी 2022 को खराब मौसम और लगातार बर्फबारी के बावजूद 73वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह के दौरान, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) के कर्मचारियों ने कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन किया। डॉ डी के पांडा, वैज्ञानिक 'एफ' (कार्यकारी निदेशक) ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया जिसके उपरांत समवेत स्वर में राष्ट्रगान किया गया। इस अवसर पर आपने प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान



(आई टी एम) के सभी कर्मचारियों को आपने 26 जनवरी 2022 को 73वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। आयोजित किए गए गणतंत्र दिवस

परेड जिसमें विविधता में एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में डी आर डी ओ तथा सेना के तीनों अंगों द्वारा किए गए योगदान को दर्शाया गया, को देखकर अपनी खुशी और हार्दिक भावनाएं व्यक्त की। आपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सैनिकों के बलिदान की भी सराहना की।

अपने संबोधन में, आपने विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्यों को प्राप्त करने में मनोयोग से सहयोग करने के लिए प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) की समूची टीम को धन्यवाद दिया। आपने इस संस्थान में वैश्विक

महामारी कोविड-19 के प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रयासों के लिए एम आई डिवीजन को बधाई दी। आपने सभी कर्मचारियों से सभी प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखने का आग्रह किया।

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में 26 जनवरी 2022 को 73वां गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें श्री एच के रथ, निदेशक आई टी आर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया जिसके उपरांत समवेत स्वर में राष्ट्रगान किया गया।

इस अवसर पर निदेशक, आई टी आर ने अपने संबोधन में एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर) के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही आई टी आर और मिसाइल परिसरों की संप्रभुता की रक्षा के लिए चौबीसों घंटे तत्पर रहने वाले सैन्य विंग, डी एस सी एवं होमगार्ड के जवानों द्वारा किए जा रहे योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर 'हरित एवं स्वच्छ आई टी आर' अभियान के उद्देश्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए फलदार वृक्षों का पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम कोविड-19 के संबंध में जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए आयोजित किया गया



था। इस कार्यक्रम में एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर) के लगभग सत्तर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन गणतंत्र दिवस समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ एस के साहू, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उनकी टीम ने किया।

सुशासन सप्ताह

प्रशासनिक सुधार तथा लोक प्रशिकायत विभाग (डी ए आर एंड पी जी) द्वारा लंबित मामलों के निपटान के संबंध में चलाए जा रहे विशेष अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुशासन से संबंधित पहल पर डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 20-26 दिसंबर 2021 के दौरान एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डी आर डी ओ ने अपने प्रतिपाद्य विषय "अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं प्रणालियों को विकसित करके राष्ट्र को सशक्त बनाना" को ध्यान में रखते हुए इस सुशासन सप्ताह में भाग लिया। इस



आयोजन के लिए डी आर डी ओ की ओर से डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, डी पी ए आर ओ एंड एम नोडल अधिकारी थे। इस प्रदर्शनी में डी आर

डी ओ ने रिकॉर्ड प्रबंधन नीति-2021 का प्रदर्शन किया, जिसका माननीय रक्षा मंत्री द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को निदेशक सम्मेलन के दौरान विमोचन किया गया था।

अपने प्रतिपाद्य विषय के तहत, डी आर डी ओ ने कोविड-19 से ग्रस्त रोगियों के अस्पताल की परिस्थितियों के अंतर्गत उपचार की स्थिति में मानक सुश्रुषा से संबंधित सहायक उपचार के लिए आपातकालीन प्रयोग हेतु अनुमोदित 2 डी जी दवा तथा जैव शौचालय एवं मानव अपशिष्ट निपटान के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान का भी प्रदर्शन किया।

हिमस्खलन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बर्फीले इलाकों में, सर्दियों के दौरान सैनिकों की आवाजाही और विभिन्न सैन्य गतिविधियों के दौरान हिम स्खलन की आशंका

बहुत अधिक होती है, जिससे उनकी आवाजाही तथा समग्र कल्याण के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाता है। रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान

स्थापना (डी जी आर ई) हिमस्खलन के कारण होनेवाले खतरों को कम से कम करने तथा हिमालय के अधिक ऊंचाई वाले बर्फीले क्षेत्रों में सैनिकों



की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। डी जी आर ई द्वारा 56 माउंटेन ब्रिगेड के एरिया ऑफ रेसपॉन्सिबिलिटी (ए ओ आर), द्रास, लद्दाख के हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए हिमस्खलन के प्रति जागरूकता सृजन, सुरक्षा और बचाव विषय पर 4 से 6 जनवरी 2022 के दौरान एक विशेष प्रशिक्षण

कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पाठ्यक्रम इस प्रकार से तैयार किया गया था कि इससे प्राप्त जानकारी का प्रतिभागी हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों में उपयोग कर सकें। पाठ्यक्रम के दौरान हिमस्खलन से सुरक्षा और राहत प्रक्रिया, बर्फीले क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी पहलू तथा

सामान्य हिमस्खलन एवं हिम के बारे में जागरूकता विषय पर व्याख्यान दिए गए। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम को अपने कार्य की प्रकृति के अनुरूप पाया तथा उनका मानना था कि इस पाठ्यक्रम से वर्तमान और भविष्य के क्रियाकलापों के लिए उनकी तैयारी में वृद्धि हुई है।

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूरु में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूरु ने 28 दिसंबर 2021 को अत्यधिक भव्य रूप में अपना 61वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मैसूरु विश्वविद्यालय, मैसूरु के माननीय कुलपति प्रोफेसर जी हेमंत कुमार ने किया। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डी एफ आर एल ने समारोह की अध्यक्षता की तथा इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आपने वर्ष 2021 के दौरान डी एफ आर एल द्वारा अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्र में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी तथा डी एफ आर एल के कर्मचारियों से आने वाले वर्षों में कड़ी मेहनत करने एवं अनुसंधान कार्य के अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करने



का अनुरोध किया। आपने मैसूरु विश्वविद्यालय के अंतर्गत रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) को खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अध्ययन बोर्ड (बी ओ एस) के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए मैसूरु विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को धन्यवाद दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, प्रो. हेमंत कुमार ने मौसम की चरम दशाओं के अंतर्गत प्रयोग में लाए जाने के लिए

खाद्य उत्पादों को विकसित करने में डी एफ आर एल द्वारा किए गए अनुसंधान एवं विकास प्रयासों तथा कर्नाटक में कोविड-19 प्रबंधन के दौरान डी एफ आर एल द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की। आपने सभा में उपस्थित महानुभावों को डी आर डी ओ से वित्त पोषण के तहत मैसूरु विश्वविद्यालय में भारत का पहला कंप्यूटर विज्ञान विभाग स्थापित करने के लिए डी आर डी

ओ के साथ अपने सहयोग के बारे में सूचित किया।

इस अवसर पर आपने प्रयोगशाला के मेधावी कर्मचारियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। इनके अलावा, समारोह के दौरान डी आर डी ओ नकद पुरस्कार, स्थापना

दिवस पुरस्कार, रोलिंग ट्रॉफी और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार भी प्रदान किए गए। खेलकूद क्रियाकलापों का भी आयोजन किया गया तथा खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

डॉ जॉन्सी जॉर्ज, वैज्ञानिक 'एफ',

अध्यक्ष, डी एफ आर एल कल्याण समिति ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए समारोह के मुख्य अतिथि, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रयोगशाला के कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूरु में कन्नड़ राज्योत्सव समारोह का आयोजन



1 नवंबर 1956 को कर्नाटक राज्य के गठन के उपलक्ष्य में रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूरु द्वारा 24 नवंबर 2021 को 66वां कन्नड़ राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 1956 में इसी दिन दक्षिण भारत के सभी कन्नड़ भाषा भाषी क्षेत्रों का एक नए राज्य में विलय किया गया था।

भारतीय फिल्म अभिनेत्री, भरतनाट्यम नृत्यांगना तथा सामाजिक

कार्यकर्ता सुश्री भावना रमन्ना इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं तथा डॉ ए डी सेमवाल, निदेशक, डी एफ आर एल ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह का आरंभ दीप प्रज्वलित कर, नाद गीत (कन्नड़ गीत) गाकर तथा देवी भुवनेश्वरी को पुष्प अर्पित करके किया गया।

कल्याण समिति के सचिव डॉ रुद्रगौड़ पी ने अतिथि तथा समारोह में उपस्थित अन्य विशिष्ट जनों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने इस

अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में राज्योत्सव के इतिहास तथा अतीत में कन्नड़ भाषा की संस्कृति और विकास का उल्लेख किया तथा रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल) द्वारा सशस्त्र बलों के साथ-साथ राष्ट्र को समर्पित की जा रही सेवाओं पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन कल्याण समिति के सदस्य श्री मधुकर, तकनीकी अधिकारी, 'बी' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

शत्रु के रडार की पकड़ में न आने वाली प्रमुख नौसेना प्रणाली (नेवल स्टेल्थ सिस्टम) भारतीय नौसेना को सौंपी गई

प्रतिष्ठित स्वदेशी विमान वाहक परियोजना के लिए नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम द्वारा अभिकल्पित एवं विकसित की गई 3 मेगावाट डीजल इंजन इन्फ्रा रेड सप्रेसन सिग्नेचर (आई आर एस एस) प्रणाली का हस्तांतरण समारोह 22 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया।

वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, ए वी एस एम, वी एस एम, सामग्री प्रमुख, एकीकृत नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली ने भारतीय नौसेना की ओर से इन्फ्रा रेड सप्रेसन सिग्नेचर (आई आर एस एस) प्रणाली प्राप्त

की। इस अवसर पर आपने कहा कि समुद्र में युद्ध पोतों की सुरक्षा के लिए शत्रु के रडार की पकड़ में न आने वाली नौसेना प्रणाली (नेवल स्टेल्थ सिस्टम) एक महत्वपूर्ण घटक है। आपने कहा कि भारतीय नौसेना रणनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न प्रणालियों के विकास में एन एस टी एल के साथ घनिष्ठ साझेदारी बनाए रखती है।

डॉक्टर समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (नौसेना प्रणाली तथा सामग्री) ने कहा कि भारतीय नौसेना को आई आर एस एस प्रणाली सौंपना शत्रु के रडार

की पकड़ में न आने वाली नौसेना प्रणाली (नेवल स्टेल्थ सिस्टम) को अभिकल्पित एवं विकसित करने में आत्म निर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक प्रमुख उपलब्धि है। आपने इस उपलब्धि के लिए संबंधित टीम की सराहना की तथा उन्हें अन्य चालू परियोजनाओं की समय पर सुपुर्दगी के लिए अपना काम जारी रखने की सलाह दी।

डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एस टी एल ने कहा कि नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) द्वारा अभिकल्पित एवं विकसित प्रणालियों को कोचीन शिपयार्ड



लिमिटेड, कोच्चि में निर्माणाधीन आई एन एस विक्रांत पर संस्थापित किया जा रहा है, तथा इन प्रणालियों ने अपने कार्य निष्पादन से संबंधित

सभी परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

इस अवसर पर श्री पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक

तथा प्रौद्योगिकी निदेशक (युद्धपोत प्रौद्योगिकी), एवं इन्फारेड विभाग के प्रमुख कैप्टन ए वी एस एन मूर्ति भी उपस्थित थे।

गवर्नमेंट ई - मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) में प्रवीणता पाठ्यक्रम का आयोजन

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) विशाखापत्तनम में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक हिस्से के रूप में, एन एस टी एल ने 13-14 दिसंबर 2021 के दौरान प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी के सहयोग से

'गवर्नमेंट ई- मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) में प्रवीणता' विषय पर एक अल्पावधिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री जी के साहू, वैज्ञानिक 'एफ' तथा पाठ्यक्रम निदेशक ने स्वागत भाषण दिया एवं गवर्नमेंट ई- मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) के महत्व को समझाया तथा

गवर्नमेंट ई- मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) के माध्यम से अधिकाधिक खरीद करने के लिए नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) द्वारा शुरू किए जा रहे विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आपने बताया कि अब सरकारी कार्यालयों में उपयोग में लाए जाने



वाले 34 लाख से भी अधिक उत्पाद गवर्नमेंट ई – मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) के पोर्टल पर उपलब्ध हैं जिनका ऑनलाइन खरीद किया जा सकता है।

वाइस एडमिरल श्रीकुमार नायर, ए वी एस एम, एन एम तथा डी जी एन पी ने अपने संबोधन में इस तरह के उपयोगी पाठ्यक्रम के आयोजन के लिए एन एस टी एल की सराहना की। उन्होंने बताया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम (जी ई एम) पारदर्शी, कैशलेस, कॉन्टैक्टलेस और पेपरलेस है और इसीलिए सभी सरकारी कार्यालयों में इसका यथासंभव

उपयोग किया जाना चाहिए।

श्री संगम सिन्हा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (संसाधन एवं सामग्री), ने इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में आपने पाठ्यक्रम के आयोजन के लिए एन एस टी एल की सराहना की। आपने सभी खरीद के लिए जेम पोर्टल का उपयोग करने के लिए एन एस टी एल की सराहना की और कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से मूल्य में काफी कमी प्राप्त की जा सकती है। आपने जेम पोर्टल को राजकोषीय धन की रक्षा करने वाला

पोर्टल बताया। आपने प्रतिभागियों को जेम पोर्टल के उपयोग के संबंध में अपनी जानकारी को समृद्ध करने का सुझाव दिया।

श्री आर श्रीहरि, वैज्ञानिक 'जी' मुख्य संरक्षक थे तथा श्री डी श्रीधर पटनायक, वैज्ञानिक 'ई' पाठ्यक्रम समन्वयक थे। उत्कृष्ट वैज्ञानिक श्री पी वी एस गणेश कुमार, श्री बी वी एस एस कृष्ण कुमार, डॉ ए श्रीनिवास कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारीगण, एन एस टी एल सिविल कर्मचारी संघ तथा कार्य समिति के सदस्य एवं एन एस टी एल के सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

उच्च यौव्यता अर्जन



उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद के डॉ गुड्डाती वामसी कृष्णा, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा "फाइबर पुनर्बलित प्लास्टिक (एफ आर पी) से सुदृढ़ किए गए मजबूत धात्विक गोलों के आकुंचन व्यवहार का प्रतिरूपण तथा प्रायोगिक अन्वेषण (मॉडलिंग एंड एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑन द बकलिंग बिहेवियर ऑफ एफ आर पी – स्ट्रेंथेंड मैटेलिक शेल्स)" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई है।



उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद के श्री संजय कुमार साहू, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा "कम क्षेत्र प्रबलता वाले नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद (एन एम आर) का प्रयोग करके बहु-संस्तरित जी एफ आर पी सम्मिश्र संरचनाओं का अविनाशी मूल्यांकन (नॉन – डेस्ट्रक्टिव इवैल्युएशन ऑफ मल्टी लेयर्ड जी एफ आर पी कंपोजिट स्ट्रक्चर्स यूजिंग लो फील्ड एन एम आर)" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी), वारंगल, तेलंगाना द्वारा पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई है।

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई), चंडीगढ़ में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे "आजादी का अमृत महोत्सव" वर्ष के दौरान रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई) द्वारा कई आयोजन किए जा रहे हैं तथा इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में डी जी आर ई आर डी सी, मनाली द्वारा मनाली प्रशासन एवं शीतकालीन कार्निवल समिति के सहयोग से एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में कुल दस टीमों ने नामतः डी जी आर ई, आर डी सी, मनाली इलेवन; प्रेस क्लब

मनाली इलेवन, रोट्टैक्ट इलेवन, बार एसोसिएशन इलेवन, एडमिनिस्ट्रेशन मनाली इलेवन, एम सी मनाली इलेवन, 38 बी आर टी एफ इलेवन, एच पी एस ई बी एल मनाली इलेवन, ए बी वी आई एम ए एस इलेवन तथा डी जी आर ई मनाली इलेवन की टीमों ने भाग लिया।

28 दिसंबर 2021 को मनाली के एस डी एम डॉ सुरेन्द्र ठाकुर ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन में रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डी जी आर ई) तथा जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं शीतकालीन

कार्निवल समिति तथा प्रतिभागी टीमों के सदस्यों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के दौरान 28 दिसंबर 2021 से 3 जनवरी 2022 के बीच डी जी आर ई, आर डी सी, मनाली के हेलीपैड मैदान में कुल नौ मैच आयोजित किए गए। डी जी आर ई की टीम जिसमें श्री चंदर किरण, श्री मनोज कुमार ठाकुर (कप्तान), श्री विजय कुमार, श्री देवेन्द्र कुमार, श्री दलवीर गुप्तेन, श्री विजेन्द्र कुमार, श्री कुंदन, श्री मंडल, श्री राजेश कुमार, श्री हेम राज एवं श्री टीटू (विकेट कीपर) शामिल थे, ने चैंपियनशिप खेली और जीती।



डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं में पधारे अतिथि गण

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स),
बेंगलुरु

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने 1 फरवरी 2022 को वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) का दौरा किया तथा इस स्थापना द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों की प्रगति की स्थिति तथा स्थापना के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की समीक्षा की।

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान
संस्थान (डिबेर), उत्तराखंड

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) एक लंबे समय से उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में किसानों को प्रौद्योगिकीय समाधान उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, इन जिलों में तैनात सैन्य इकाइयों को भी रक्षा जैव अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा कई प्रौद्योगिकीय समाधान उपलब्ध कराए गए हैं। हाल के वर्षों में, संस्थान ने सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों की आजीविका के अवसरों तथा उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए जोरदार पहल की है। डिबेर के साथ पंजीकृत किसानों की वार्षिक



वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) के दौरे पर रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी।



रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) के निदेशक के साथ बातचीत करते हुए देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य सहकारी परिसंघ (यू सी एफ) के प्रबंध निदेशक श्री एम पी त्रिपाठी।

आय में पिछले 2 से 3 फसल मौसम के दौरान स्पष्ट रूप से सुधार हुआ है। नतीजतन, खपत के लिए बाजार में अधिक उपज उपलब्ध हुई है। किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की सेना एक प्रमुख उपभोक्ता है। जनरल अफसर कमांडिंग – इन – चार्ज (जी ओ सी – इन – सी), यू बी एरिया ने 7 दिसंबर 2021 को अपने दौरे में किसानों से ताजा भोजन खरीदने के लिए दूरदराज के गांवों में संगठित बिक्री आउटलेट स्थापित करने की आवश्यकता व्यक्त की।



रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी एवं उत्पादों में गहरी रुचि प्रदर्शित करते हुए उत्तराखंड रक्षा विनिर्माण समन्वयक श्री वी एस रावत।

देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य सहकारी परिसंघ (यू सी एफ) के प्रबंध निदेशक श्री एम पी त्रिपाठी हाल ही में रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) के दौरे पर आए थे जिसके दौरान आपने सहकारी समिति बनाकर ताजे कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए संगठित क्षेत्र उपलब्ध कराने के संबंध में अपनी सहमति व्यक्त की थी। यह एक बड़ी सफलता है क्योंकि फल और सब्जियों की बिक्री के लिए इस तरह सहकारी समिति की स्थापना से सेना और इस क्षेत्र में तैनात सैनिकों के लिए बाजार के रूप में सेवा उपलब्ध कराने के लिए

एक बहुत जरूरी संगठित क्षेत्र प्राप्त होगा। इससे किसानों को अपनी उपज का सही मूल्य भी प्राप्त होगा जिससे सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों से होने वाले प्रवास को नियंत्रित करने का दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा।

उत्तराखंड रक्षा विनिर्माण समन्वयक श्री वी एस रावत ने 10 दिसंबर 2021 को रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) का दौरा किया। श्री रावत ने डिबेर की आई एस:15607 अनुरूप जैव-डीजल उत्पादन प्रौद्योगिकी, चीड़ की नोंकदार पत्तियों के बायोमास का उपयोग करके जैव-ऊर्जा समाधान

प्राप्त करने, पॉलीओल उत्पादन, हाइड्रोपोनिक्स तथा ओफिकॉर्डिसेप्स सिनेन्सिस से संबंधित प्रयोगशाला संवर्धन प्रौद्योगिकी की सराहना की। आपने किसानों तथा पूर्व सैनिकों को सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी प्रदान करने हेतु सीमावर्ती जिलों तक पहुंचने के लिए डिबेर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की। श्री रावत डिबेर, डी आर डी ओ द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के विस्तार और व्यावसायीकरण के लिए उत्तराखंड के उपयुक्त उद्योग भागीदारों की सेवाएं प्रयोग में लाने के संबंध में अपनी सहमति व्यक्त की।

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह

संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री आर के माथुर ने 6 फरवरी 2022 को रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह के कारु एवं ठिकसे गाँव में स्थित परियोजना स्थलों का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ. ओ पी चौरसिया, निदेशक, डिहार ने प्रयोगशाला के दौरे पर आए माननीय अतिथि के समक्ष डिहार द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में जानकारी प्रदान की तथा उन्हें डिहार द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों का प्रसार करने के लिए फील्ड स्तर पर आयोजित किए जा रहे प्रदर्शन कार्यक्रमों के बारे में बताया।

सबसे पहले, श्री माथुर ने कारु में शीतकालीन आलू भंडारण गृहों का दौरा किया, जहां सहकारी समिति ने लगभग 90 मीट्रिक टन आलू का भंडारण किया है और जहां से सेना को नियमित रूप से आलू की आपूर्ति की जा रही है। श्री माथुर ने ठंड के महीनों के दौरान आलू के भंडारण के लिए इस शून्य-ऊर्जा आधारित हरित प्रौद्योगिकी को संस्थापित करने के लिए डिहार की सराहना की। आपके साथ जनरल अफसर कमांडिंग जी ओ सी 3 डिवीजन मेजर जनरल आर एस रमन, वाई एस एम, 503 ए एस सी कारु के अधिकारी तथा सहकारी समिति के सदस्य भी इस निरीक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए थे। आपने

ठिकसे गाँव में ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकी डिमॉन्स्ट्रेशन का भी दौरा किया, जहां डिहार द्वारा किसानों के खेत में ग्रीनहाउस को उनकी प्रभावकारिता दर्शाने के लिए स्थापित किया गया है। इन ग्रीनहाउसों के अंदर उगाई जा रही उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों को देखते हुए और उत्पादकों की बात सुनकर, माननीय उप राज्यपाल महोदय ने डिहार के प्रयासों की सराहना की तथा संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख प्रशासन को आने वाले वर्षों में लद्दाख के सभी गाँवों में इस तरह के ग्रीनहाउस स्थापित करने का सुझाव दिया। आपके साथ संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के कृषि सचिव, मुख्य कृषि अधिकारी, लेह तथा स्थानीय किसान भी इस दौरे पर शामिल हुए थे।





पाठकों की राय

(आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक परिमार्जित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा ऐसा करके हम अपने संगठन की बेहतर सेवा कर पाएंगे)

1. स्थापना का नाम : _____
2. आप डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद विकास को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करने के एक माध्यम के रूप में डीआरडीओ समाचार का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
3. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल की गई तकनीकी सामग्रियों का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
4. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल किए गए चित्रों की गुणवत्ता का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
5. आप डीआरडीओ समाचार को उपयुक्त रूप में कितने पृष्ठों की पत्रिका के रूप में देखना चाहते हैं?
8 पृष्ठ 12 पृष्ठ 16 पृष्ठ 20 पृष्ठ
6. आप डीआरडीओ समाचार को किस माध्यम में पसंद करेंगे?
मुद्रित ई-प्रकाशन वीडियो पत्रिका
7. आपको डीआरडीओ समाचार की प्रति कब प्राप्त होती है?
 प्रकाशन के पूर्ववर्ती महीने में
 प्रकाशन के माह में
 प्रकाशन के अगले महीने
8. डीआरडीओ समाचार में निहित तकनीकी सामग्री में आगे और सुधार लाने के लिए आपके सुझाव :
.....
.....
.....

नाम : पदनाम :

संगठन का नाम :

दूरभाष : ई-मेल :

पता :



कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें

संपादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151

ई-मेल : director.desidoc@gov.in

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

भारत सरकार – डी बी एल हेरिटेज प्रोजेक्ट के प्रधान सलाहकार डॉ सी वी आनंद बोस आई ए एस (सेवानिवृत्त) ने 15 दिसंबर 2021 को नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि का दौरा किया। इस अवसर पर श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ने संस्थान के दौरे पर आए अतिथि का स्वागत किया तथा उन्हें भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर

भारत' दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारतीय नौसेना के लिए पानी के भीतर प्रयोग में लाई जाने वाली अंतर्जलीय सेंसर प्रणालियों के स्वदेशीकरण में एन पी ओ एल द्वारा निर्वहन की जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर माननीय अतिथि के समक्ष एन पी ओ एल की चालू तथा नियोजित परियोजनाओं पर भी एक विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ आनंद बोस ने निदेशकों और कार्यक्रम

निदेशकों के साथ भी बातचीत की। नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' वर्ष के दौरान आयोजित की गई आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में, डॉ बोस ने एन पी ओ एल के वैज्ञानिकों को संबोधित किया। अपने संबोधन में आपने मौलिक अनुसंधान कार्यों को करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमारे देश का भविष्य आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में



डॉ. सी वी आनंद बोस को संक्षेप में जानकारी देते हुए श्री एस विजयन पिल्लै, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल।



शामिल वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के हाथों में है। आपने सोनार प्रणालियों के स्वदेशी अभिकल्प तथा विकास एवं सामरिक महत्व के इस विशिष्ट क्षेत्र में आयातित प्रणालियों पर निर्भरता को पर्याप्त कम करने के लिए एन पी ओ एल के वैज्ञानिकों को बधाई दी। वैश्विक महामारी कोविड -19 की वर्तमान स्थिति को देखते

हुए, कोई बड़ी सभा आयोजित नहीं की गई थी तथा समारोह एन पी ओ एल के भीतर एक वेबकास्ट के रूप में आयोजित किया गया था। डॉ बोस ने संवेदनशील अंतर्जलीय सेंसर प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय उपकरणों से लैस ध्वानिक टैंक सुविधा का भी दौरा किया। आपने समुद्र में परीक्षण

से पूर्व परीक्षण तथा मूल्यांकन के लिए सोनार प्रणालियों एवं समुद्र के वातावरण के एंड-टू-एंड अनुकार में सक्षम बहुमुखी सोनार अभिकल्प एवं अनुकार केंद्र— दर्पण अनुकार सुविधा (दर्पण सिमुलेशन फैसिलिटी) का भी दौरा किया।

डीआरडीओ समाचार अपने प्रकाशन के चौतीसवें वर्ष में है। यह प्रकाशन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) का मुख पत्र है। यह प्रकाशन डीआरडीओ की वेब साइट पर पीडीएफ रूप में उपलब्ध है। इस प्रकाशन को अपने पते पर मंगवाने के लिए कृपया निदेशक, डेसीडॉक को लिखें।

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली-110 054 द्वारा प्रकाशित

कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें :

सम्पादक,

डीआरडीओ समाचार,

डेसिडॉक, डीआरडीओ,

मेटकॉफ भवन, दिल्ली - 110054